Volume - IV, Issue - VI
June - July, 2016
ISSN : 2320 - 236X
QIF : 5.79 (CARS)
http://www.researchjournals.in
Thomson Reuters Researcher ID: B-9682-2016

Publish World App on
Get it on Google play

Acme International Journal of Multidisciplinary Research

An International Peer - Reviewed Research Journal

Volume - IV, Issue - VI June - July, 2016

Chief Editor
Jagruti A. Mahida
S.V. Patel Commerce College
Ahmedabad

Managing Editor
Prof. A.R.Mahida

Associate Editor
Dr. Himanshu A. Srivastava

PUBLISH WORLD

http://www.researchjournals.in

Acme International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2320 – 236X
Vol – IV, Issue – VI, June – July, 2016
Available Online at http://www.researchjournals.in
Quality Impact Factor: 5.79 (CARS)
Thomson Reuters Researcher ID: B-9682-2016

बिलासपुर जिले में प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा नीति के पालन का अध्ययन

डॉ.सोनिया स्थापक
सहायक प्राध्यापिका
शिक्षा विभाग गुरू धासीदास विश्वविद्यालय
एवं जयहिन्द विश्वकर्मा शोधकर्ता
शिक्षा विभाग गुरू धासीदास विश्वविद्यालय

सारांश –

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता द्वारा यह ज्ञात करने की कोशिश की गयी है कि बिलासपुर जिले में प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा नीति का पालन कहॉ तक किया जा रहा है। शोधकर्ता द्वारा प्रदत्त संकलन एवं उनका विश्लेषण करने के पश्चात परिणाम में यह पाया गया कि इस नीति से 1189 बच्चें लाभान्वित हो रहें है। कार्य कर्ताओं द्धारा सूचनाओं को अधिकतर घरों तक पहुॅचाया जाता है व शारीरिक विकास के लिए आगनबाड़ियों द्वारा विभिन्न कियाकलाप कराये जातें हैं। अधिकतर ऑगनबाड़ी केन्द्र किराये के आवास में संचालित किये जा रहे है। कार्यकर्ताओं के विकास के लिए साल भर में 5–10 शैक्षिक कार्यकम आयोजित किये जातें है जो कि संतोषजनक हैं। नीति में कहा गया है कि प्रत्येक ऑगनबाड़ी केन्द्र में आकलन केन्द्र, परामर्श केन्द्र, एवं हेल्पलाइन की सुविधा हो जबकि किसी भी ऑगनबाड़ी में यह सुविधा उपलब्ध नहीं पायी गयी। न्यादर्श में सम्मिलित किसी भी ऑगनबाड़ी केन्द्र में इस नीति का पालन पूर्णतः नहीं किया जा रहा है जिस ओर ठोस व सार्थक कदम उठाने की जरूरत महसूस की गयी ।

मूल शब्द :–प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा(ई सी सी ई)

अध्ययन की पृष्ठभूमि :–

शिक्षा सदैव ही विकास और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम रही है, यह मानव जीवन के विकास का प्रबल साधन है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के अन्दर शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक वृद्धि एवं परिपक्वता लाना है।

गॉधी जी के शब्दों में :–

" शिक्षा वह है जो बालक के बौद्धिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास को पूर्ण कर सके।"

शिक्षा मानव के विकास का प्रमुख आधार स्तम्भ हैं जो उसे कुशल और प्रशिक्षित कर प्रगति के पथ पर ले जाती है। ऐसें में ग्रामीण विकास में भी शिक्षा के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। इसके मद्दे नजर केन्द्र तथा राज्य सरकारो के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं का कियान्वयन किया जा रहा है। गरीब और असहाय छात्रों के लिए ऋण अनुदान एवं छात्रवृति प्रदान करने की भी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। आज जब सुनियोजित आर्थिक विकास में समस्त आर्थिक गतिविधियों

Copyright © Author. International Multidisciplinary Monthly Refereed Research Journal